

16/4/21

पुत्रावली पेश हुई। वकील अर्थात् वल्लभदास  
फुलेरा उपस्थित। मूलवाद पेशणीय न होने  
के कारण खारिज हो चुका है। अर्थात् बारा



हस्तुत प्रार्थना पत्र 151 जाफ़ा दीवानी व  
तहसीलद्वारा हस्तुत जबाब तथा हस्तुत  
दस्तावेज संपादन आदेश के अन्तर्गत से  
न्यायालय के समक्ष तथ्य प्रामाणिकी वादग्रमि  
का संपादन हो चुका है। अतः मूल वाद  
खारिज होने के कारण प्रार्थना पत्र अर्थात्  
निवेदाज्ञावागत वादग्रमि खसरा न० 219,  
590/220, 591/220, 728/224, पीछणीय न  
होने पर खारिज किया जाता है। निर्णय बुले  
न्यायालय में हुनामा गमा। पत्रावली निर्णय  
शुमार होकर नम्बर 8 कम होकर दाखिल  
दफ़तर है।

R/W

उपरखण्ड अधिकारी  
साँभर लेक